प्रतिदर्श प्रश्नपत्र - 3

हिंदी (ब) कोड संख्या 085

कक्षा – दसवीं (2023-24)

निर्धारित समय: 3 hours **अधिकतम अंक: 80**

सामान्य निर्देश:

- इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं - खंड 'अ' और 'ब'।
- खंड 'अ' में उपप्रश्नों सहित 45 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए कुल 40 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
- खंड 'ब' में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं, आंतरिक विकल्प भी दिए गए हैं।
- निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।
- दोनों खंडों के कुल 18 प्रश्न हैं । दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

कोई कितना भी बड़ा अधिकारी, साहूकार या धनवान क्यों न हो, उसे स्वावलंबी बनना चाहिए। आप डॉक्टर या इंजीनियर बनना चाहते हैं, वकील या प्राध्यापक बनना चाहते हैं, व्यापारी या नेता बनना चाहते हैं-स्वावलंबन सबके लिए अनिवार्य है।

बड़ा बनने के मार्ग में अनेक बाधाएँ आती हैं। यदि उनके कारण हम निराश हो जाएँ, संघर्ष से जी चुराएँ या मेहनत से दूर रहें, तो भला हमें बड़प्पन कहाँ से मिलेगा? भारत के स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री का नाम आपने सुना होगा जिन्होंने सन् 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में देश का नेतृत्व किया था। देश को विजयी बनाया था और जनता को 'जय जवान, जय किसान' के प्रेरणावर्धक शब्द दिए थे। वे बड़े निर्धन परिवार से संबंधित थे। नदी पार स्कूल में जाने के लिए नौका वाले को पैसे भी नहीं दे सकते थे, किंतु उनमें आलस्य नहीं था। अतः प्रतिदिन तैरकर नदी पार करते थे। उन्होंने निराशा को कभी मन में नहीं आने दिया था। इसी मेहनत और स्वावलंबन का परिणाम था कि वे प्रधानमंत्री बने। जब वे प्रधानमंत्री थे, तब भी वे चपरासियों और अहलकारों पर आश्रित नहीं रहते थे। अपने यहाँ का कोई भी काम उन्हें छोटा नहीं लगता था। डॉक्टर बनकर यदि आप रोगी को आंशिक देखभाल करें, इंजीनियर बनकर दूसरों पर हुक्म चलाएँ, अथवा व्यापारी बनकर अपना हिसाब-किताब स्वयं न देखें, तो व्यवसाय तो डूबेगा ही, आपको भी डूबना होगा। दूसरों से कार्य लेते समय भी स्वयं सक्रिय रहना सफलता की प्रथम सीढ़ी है।

(i) उच्च पद या सफलता पाने के लिए व्यक्ति को क्या करना चाहिए?

क) स्वावलंबी बन परिश्रम करना चाहिए

ख) अपने साथ-साथ दूसरों का अवलंब मिलने की प्रतीक्षा करनी चाहिए

ग) अपने अवलंब पर भरोसा नहीं करना चाहिए
घ) दूसरों का अवलंब लेना चाहिए

(ii) स्वर्गीय लाल बहादुर शास्त्री का उल्लेख गद्यांश में क्यों किया गया है?

क) निर्धन परिवार से संबंध रखने के कारण
ख) 'जय जवान जय किसान' का नारा देने के कारण

ग) नदी पार करने के कारण
घ) स्वावलंबी बनकर परिश्रम करते रहने के कारण

(iii) लाल बहादुर शास्त्री अपना काम स्वयं करते थे यह किस कथन से सिद्ध होता है?

क) उनके पास नौकावाले को देने के लिए पैसे नहीं होते थे
ख) उन्होंने प्रेरणावर्धक नारा दिया

ग) उन्होंने 1965 के भारत-पाक युद्ध में देश का नेतृत्व किया
घ) वे चपरासियों तथा अहलकारों पर निर्भर नहीं रहते थे

(iv) सफलता की प्रथम सीढ़ी निम्नलिखित में से क्या है?

क) दूसरों को काम बताते जाना तथा उनका निरीक्षण करना
ख) दूसरों से कार्य कराते हुए स्वयं भी सक्रिय रहना

ग) दूसरे व्यक्तियों को कार्य के लिए प्रेरित करना
घ) दूसरे व्यक्तियों के प्रति सजग रहना

(v) **कथन (A):** स्वावलंबी व्यक्ति ही बड़प्पन दिखा सकता है।
कारण (R): स्वयं सक्रिय होते हुए ही हम दूसरों से कार्य करवाने में सफल हो सकते हैं।

क) (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
ख) (A) और (R) दोनों सत्य हैं परन्तु (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।

ग) (A) असत्य है परन्तु (R) सत्य है।
घ) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही असत्य हैं।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

चंपारण सत्याग्रह के बीच जो लोग गांधी जी के संपर्क में आए वे आगे चलकर देश के निर्माताओं में गिने गए। चंपारण में गांधी जी न सिर्फ सत्य और अहिंसा का सार्वजनिक हितों में प्रयोग कर रहे थे बल्कि हलुवा बनाने से लेकर सिल पर मसाला पीसने और चक्की चलाकर गेहूँ का आटा बनाने की कला भी उन बड़े वकीलों को सिखा रहे थे, जिन्हें गरीबों की अगुवाई की जिम्मेदारी सौंपी जानी थी। अपने इन आध्यात्मिक प्रयोगों के माध्यम से वे देश की गरीब

जनता की सेवा करने और उनकी तकदीर बदलने के साथ देश को आजाद कराने के लिए समर्पित व्यक्तियों की एक ऐसी जमात तैयार करना चाह रहे थे जो सत्याग्रह की भट्ठी में उसी तरह तपकर निखरे, जिस तरह भट्ठी में सोना तपकर निखरता और कीमती बनता है।
गांधी जी की मान्यता थी कि एक प्रतिष्ठित वकील और हज़ामत बनाने वाले हज़्ज़ाम में पेशे के लिहाज़ से कोई फ़र्क नहीं, दोनों की हैसियत एक ही हैं। उन्होंने पसीने की कमाई को सबसे अच्छी कमाई माना और शारीरिक श्रम को अहमियत देते हुए उसे उचित प्रतिष्ठा व सम्मान दिया था। कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं, इस मान्यता को उन्होंने प्राथमिकता दी ताकि साधन शुद्धता की बुनियाद पर एक ठीक समाज खड़ा हो सके। आज़ाद हिंदुस्तान आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और आत्म-सम्मानित देश के रूप में विश्व-बिरादरी के बीच अपनी एक खास पहचान बनाए और फिर उसे बरकरार भी रखे।

(i) किसी काम या पेशे के बारे में गांधी जी की मान्यता क्या थी?

क) हर काम बड़ा छोटा होता है
ख) कोई काम छोटा नहीं
ग) कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं
घ) कोई काम बड़ा नहीं

(ii) गांधी जी सबसे अच्छी कमाई किसे मानते थे?

क) कमाकर लाने को
ख) मेहनत की कमाई को
ग) प्रतिष्ठित कमाई को
घ) काम करने को

(iii) गांधी जी ने किसे अहमियत दी है?

क) सार्वजानिक हितों को
ख) शारीरिक श्रम को
ग) सत्याग्रह को
घ) मनुष्य को

(iv) गांधी जी किसकी बुनियाद पर एक अच्छा समाज खड़ा करना चाहते थे?

क) साधन शुद्धता की
ख) परिश्रम की
ग) सत्य की
घ) शुद्धता की

(v) गाँधीजी की मान्यता थी कि-

i. पसीने की कमाई ही सबसे अच्छी कमाई है
ii. शारीरिक श्रम सबसे महत्वपूर्ण है
iii. गरीबी सबसे बड़ा अभिशाप है
iv. कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता

क) कथन ii, iii व iv सही हैं
ख) कथन i, ii व iv सही हैं

ग) कथन ii सही है | घ) कथन i, ii व iii सही हैं

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. **निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) **अनुशासन भंग करने वालों में से कुछ दूसरी कक्षा के छात्र हैं।** - वाक्य में सर्वनाम पदबंध है: **[1]**

क) अनुशासन भंग करने वाले छात्रों में | ख) अनुशासन भंग करने वालों में से कुछ

ग) अनुशासन भंग करने वाले | घ) छात्रों में से कुछ दूसरी कक्षा के हैं

(ii) **उन्होंने <u>छोटी-छोटी खिड़कियों वाला चौबारा</u> किराए पर ले रखा था।** वाक्य में रेखांकित पदबंध है - **[1]**

क) क्रियाविशेषण पदबंध | ख) संज्ञा पदबंध

ग) विशेषण पदबंध | घ) सर्वनाम पदबंध

(iii) **<u>पैर पर लगी चोट</u>** दर्द कर रही है। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है? **[1]**

क) संज्ञा पदबंध | ख) क्रिया पदबंध

ग) क्रिया-विशेषण पदबंध | घ) विशेषण पदबंध

(iv) **<u>सुबह से शाम तक</u>** वह बैठा रहा। - रेखांकित पद में कैसा पदबंध है? **[1]**

क) विशेषण पदबंध | ख) सर्वनाम पदबंध

ग) अव्यय पदबंध | घ) संज्ञा पदबंध

(v) लाल रंग के **<u>कपड़ों में प्रिया</u>** बहुत सुन्दर लग रही थी। रेखांकित वाक्य में कैसा पदबंध है? **[1]**

क) क्रियाविशेषण पदबंध | ख) सर्वनाम पदबंध

ग) संज्ञा पदबंध | घ) विशेषण पदबंध

4. **निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) ज्यों ही पुलिस ने चोर को देखा, त्यों ही उसे पकड़ लिया। (संयुक्त वाक्य) **[1]**

क) पुलिस ने देखा फिर चोर को पकड़ लिया। | ख) पुलिस ने चोर को पकड़ लिया।

ग) पुलिस ने चोर को देखा और उसे पकड़ लिया।

घ) पुलिस ने चोर को देखा लिया फिर उसे पकड़ लिया।

(ii) **गरीब को लूटने के अतिरिक्त उसने उसकी हत्या कर दी।** संयुक्त वाक्य में बदलिए- **[1]**

क) उसने गरीब के साथ लूटपाट की हत्या की।

ख) उसने गरीब को लूटकर उसकी हत्या कर दी।

ग) उसने गरीब के साथ लूटपाट की।

घ) उसने न केवल गरीब को लूटा बल्कि उसकी हत्या भी कर दी।

(iii) **राष्ट्र के लिए मर मिटने वाला व्यक्ति सच्चा राष्ट्रभक्त होता है।** रचना की दृष्टि से वाक्य है **[1]**

क) मिश्र वाक्य

ख) सरल वाक्य

ग) संयुक्त वाक्य

घ) सामान्य वाक्य

(iv) गाड़ी मिलते ही मैं कोलकाता पहुँच जाऊँगी, का मिश्र वाक्य बनेगा- **[1]**

क) जैसे ही गाड़ी मिलेगी, वैसे ही मैं कोलकाता पहुँच जाऊँगी।

ख) मुझे कोलकाता पहुँचना था, इसलिए गाड़ी मिल गई।

ग) मैं कोलकाता पहुँच जाती अगर गाड़ी मिल जाती।

घ) गाड़ी मिली और कोलकाता पहुँच गई।

(v) **मेरे चाहने के अनुसार सब कुछ हो रहा था।** वाक्य का मिश्र वाक्य में रूप होगा- **[1]**

क) मेरे चाहने पर ही सब कुछ हो रहा था।

ख) सब कुछ हो रहा था, वो भी मेरे चाहने के अनुसार।

ग) मैं जैसा चाह रहा था, वैसा ही सब कुछ होता जा रहा था।

घ) मेरे अनुसार ही सब कुछ हो रहा था।

5. **निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) नीचे लिखे शब्दों में बहुव्रीहि समास का सही उदाहरण है **[1]**

क) पुनरावृत्ति

ख) त्रिलोकनाथ

ग) झंडोत्सव

घ) लाल बाज़ार

(ii) **रामभक्ति** समस्तपद में कौन-सा समास है? **[1]**

क) कर्मधारय　　ख) द्वंद्व

ग) तत्पुरुष　　घ) द्विगु

(iii) **क्रोधाग्नि** समस्त पद कौन-से समास का उदाहरण है? [1]

क) द्वंद्व　　ख) कर्मधारय

ग) बहुव्रीहि　　घ) अव्ययीभाव

(iv) **सप्तसिंधु** में कौन-सा समास है? [1]

क) द्विगु समास　　ख) द्वन्द्व समास

ग) अव्ययीभाव समास　　घ) कर्मधारय समास

(v) **दिनानुदिन** में कौन-सा समास है? [1]

क) तत्पुरुष समास　　ख) अव्ययीभाव समास

ग) बहुव्रीहि समास　　घ) द्विगु समास

6. **निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-** **[4]**

(i) आजकल बाबा लोगों का काम सीधे-सादे लोगों को ________ है। रिक्त स्थान की पूर्ति उपयुक्त मुहावरे से कीजिए। [1]

क) चंगुल में फँसाना　　ख) घड़ों पानी भराना

ग) गाल फुलाना　　घ) चित्त पर चढ़ाना

(ii) तुलसीदास कृत **रामचरितमानस** जनता के लिए ________ के समान है। उपयुक्त मुहावरे द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए। [1]

क) गढ़ जीतना　　ख) चाँद पर थूकना

ग) गले का हार होना　　घ) घास छीलना

(iii) **बड़े भाई साहब ऐसी-ऐसी लगती बातें कहते कि मेरी ________ जाती।** रिक्त स्थान की पूर्ति के लिए उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए। [1]

क) दिल पसीजना　　ख) हिम्मत टूटना

ग) खून खौलना　　घ) तूती बोलना

(iv) वास्तविकता का अहसास होना **[1]**

क) आसमान से छत पर आना

ख) आसमान से गिरना

ग) आसमान से जमीन पर आना

घ) आकाश से आसमान तक आना

(v) विद्यार्थी को केवल ________ नहीं होना चाहिए, बल्कि स्वस्थ शरीर और उन्नत मस्तिष्क वाला होनहार युवक होना है। मुहावरे से रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए- **[1]**

क) पुस्तक का कीड़ा होना

ख) पैरों पर खड़ा होना

ग) किताबी कीड़ा होना

घ) किताब में मग्न होना

(vi) **दबदबा होना** अर्थ के लिए निम्नलिखित मुहावरों में से उपयुक्त मुहावरा है: **[1]**

क) खाल खींचना

ख) चमड़ी उधेड़ना

ग) तूती बोलना

घ) हेकड़ी जताना

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,
पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) **मनुष्य मात्र बंधु-** है से क्या तात्पर्य है?

क) मनुष्य मात्र के द्वारा सहयोग करना

ख) मनुष्य मात्र के अलग-अलग कर्म होना

ग) मनुष्य मात्र को अलग-अलग समझना

घ) मनुष्य मात्र को परस्पर भाई-बंधु समझना

(ii) अनर्थ क्या है?

क) भाई का भाई से लगाव

ख) भाई का भाई से अलगाव

ग) भाई-भाई में घृणा का भाव न होना

घ) भाई-भाई में सहानुभूति का भाव

(iii) प्रत्येक मनुष्य अपना बंधु कैसे है?

क) एक परमात्मा की संतान होने से | ख) एक देश में जन्म लेने से

ग) एक गाँव में जन्म लेने से | घ) एक परिवार में जन्म लेने से

(iv) मनुष्य-मात्र में भेद क्यों उत्पन्न होता है?

क) भिन्न खान-पान के कारण | ख) कर्मों की भिन्नता के कारण

ग) भिन्न देशों में जन्म के कारण | घ) भिन्न जलवायु के कारण

(v) निम्नलिखित वाक्यों को ध्यानपूर्वक पढ़िए-

i. बंधु को बंधु की व्यथा को समाप्त नहीं करना चाहिए।
ii. मनुष्य आपस में बंधु हैं।
iii. परमात्मा पुराण पुरुष है।
iv. सहानुभूति ही सबसे बड़ी विभूति है।
v. उदार व्यक्ति की कथा ही प्रचलित होती है।

पद्यांश से मेल खाते वाक्यों के लिए उचित विकल्प चुनिए-

क) (ii), (iii) | ख) (i), (iii)

ग) (iv), (v) | घ) (iii), (iv)

8. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।** **[2]**

(i) **सर हिमालय का न झुकने दिया** से क्या भाव है? **[1]**

क) देश के मान-सम्मान की रक्षा करना | ख) देश के पर्वतों को न तोड़ने देना

ग) देश के हिमालय की सुरक्षा | घ) वृक्ष न कटने देना

(ii) मीरा श्रीकृष्ण के पास रहने का क्या लाभ बताती हैं? **[1]**

क) उसे श्रीकृष्ण को याद करने की जरूरत नहीं होगी | ख) उसे हमेशा दर्शन प्राप्त होंगे

ग) सभी विकल्प सही हैं | घ) उसकी भाव भक्ति का साम्राज्य बढ़ता ही जाएगा

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

मेरा जी पढ़ने में बिलकुल न लगता था। एक घंटा भी किताब लेकर बैठना पहाड़ था। मौका पाते ही होस्टल से निकलकर मैदान में आ जाता और कभी कंकरियाँ उछालता, कभी कागज़

की तितलियाँ उड़ाता और कहीं कोई साथी मिल गया, तो पूछना ही क्या। कभी चार-दीवारी पर चढ़कर नीचे कूद रहे हैं। कभी फाटक पर सवार, उसे आगे-पीछे चलाते हुए मोटरकार का। आनंद उठा रहे हैं, लेकिन कमरे में आते ही भाई साहब का वह रुद्र-रूप देखकर प्राण सूख जाते। उनका पहला सवाल यह होता-'कहाँ थे'? हमेशा यही सवाल, इसी ध्वनि में हमेशा पूछा जाता था और इसका जवाब। मेरे पास केवल मौन था। न जाने मेरे मुँह से यह बात। क्यों न निकलती किं ज़रा बाहर खेल रहा था। मेरा मौन कह देता था कि मुझे अपना अपराध स्वीकार है और भाई साहब के लिए उसके सिवा और कोई इलाज न था कि स्नेह और रोष से मिले हुए शब्दों में मेरा सत्कार करें।

(i) लेखक को एक घंटा किताब लेकर बैठना कैसा लगता था?

क) पहाड़ के समान

ख) शैतान के समान

ग) बहुत मनोरंजक

घ) टीले के समान

(ii) मौका पाते ही होस्टल के निकलकर लेकर कहाँ जाता था?

क) खेलने के लिए मैदान में

ख) सिनेमा हाल में

ग) शतरंज खेलने

घ) अपने घर

(iii) निम्नलिखित कथन (A) तथा कारण (R) को ध्यानपूर्वक पढ़िए। उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए।
कथन (A): छोटे भाई का पढ़ने में मन नहीं लगता था।
कारण (R): अपने बड़े भाई का रौद्र रूप देखकर उसके प्राण सुख जाते थे।

क) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

ख) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

ग) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत है।

घ) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) भाई साहब का पहला सवाल क्या होता था?

क) तुम क्या कर रहे हो?

ख) तुम कहाँ थे?

ग) क्या तुमने गृह कार्य कर लिया?

घ) तुम कब आए?

(v) लेखक का मौन क्या दर्शाता था?

क) कि उन्हें अपना अपराध स्वीकार है

ख) उन पर किसी के कहने का कोई फर्क नहीं पड़ता

ग) उनमें बहुत विनम्रता है

घ) वह बहुत बेशर्म है

10. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।** **[2]**

(i) **तीसरी कसम** पाठ के आधार पर लेखक को फिल्मों में रूचि कब पैदा हुई? **[1]**

क) बचपन से

ख) स्कूल में

ग) स्नातक में

घ) इनमें से कोई नहीं

(ii) विचारमग्न तताँरा क्या निहार रहा था? **[1]**

क) पक्षियों का उड़ना

ख) समुद्र पर सूर्य की रंग-बिरंगी किरणों को

ग) समुद्र की उठती-गिरती लहरों को

घ) छिपते हुए सूरज को

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) कलकत्ता में 26 जनवरी, 1931 को हुए आंदोलन में महिलाओं का बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना यह स्पष्ट करता है कि स्वाधीनता-संघर्ष में महिलाओं की भूमिका पुरुषों से कम नहीं थी। पाठ के संदर्भ में स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित कीजिए | **[3]**

(ii) वज़ीर अली का चरित्र-चित्रण कारतूस पाठ के आधार पर कीजिए। **[3]**

(iii) हमारे सामने जो वर्तमान क्षण है, वही सत्य है। उसी में जीना चाहिए। चाय पीते-पीते उस दिन मेरे दिमाग से भूत और भविष्य दोनों काल उड़ गए थे। केवल वर्तमान क्षण सामने था और वह अनंतकाल जितना विस्तृत था। **[3]**
आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं? 'झेन की देन' पाठ के आधार पर बताइए।

12. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) कवि शरारती बच्चों और पक्षियों का वर्णन करके क्या बताना चाहता हैं? 'तोप' कविता के आधार पर बताइए। **[3]**

(ii) आत्मत्राण कविता हमें दुख से संघर्ष करने का मार्ग दिखाती है। स्पष्ट कीजिए। **[3]**

(iii) वर्षा-ऋतु में पर्वतीय प्राकृतिक सुषमा का वर्णन सुमित्रानंदन पंत की कविता के आधार पर कीजिए। **[3]**

13. **निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:** **[6]**

(i) ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रद्धा के जो भाव हैं, उससे उनकी किस मनोवृत्ति का पता चलता है? **[3]**

(ii) लेखक को किसके सहारे अपनी पढ़ाई जारी रखनी पड़ी? आप गरीब बच्चों की पढ़ाई जारी रखने के लिए विद्यालयों को क्या सुझाव देना चाहेंगे? सपनों के-से दिन पाठ के आधार पर लिखिए। **[3]**

(iii) घर वालों के मना करने पर भी टोपी का लगाव इफ़्फ़न के घर और उसकी दादी से क्यों था? दोनों के अनजान, अटूट रिश्ते के बारे में मानवीय मूल्यों की दृष्टि से अपने विचार लिखिए। **[3]**

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. **जनसंख्या नियंत्रण** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। **[5]**

- जनसंख्या वृद्धि की समस्या
- नियंत्रण की आवश्यकता क्यों
- नियंत्रण कैसे?

अथवा

भारतीय किसान के कष्ट विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- अन्नदाता की कठिनाइयाँ
- कठोर दिनचर्या
- सुधार के उपाय

अथवा

जीवन संघर्ष का दूसरा नाम है विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।
संकेत बिंदु:

- जीवन और संघर्ष क्या है?
- संघर्ष : सफलता का मूलमंत्र
- असफलता से उत्पन्न निराशा और उत्कट जिजीविषा
- जीवन का मूलमंत्र

15. जिला उपायुक्त को पत्र लिखिए जिसमें विद्यार्थियों की पढ़ाई में होने वाली हानि के संदर्भ में शहर के सिनेमाघरों में प्रातःकालीन शो को बंद करने का निवेदन किया गया हो। **[5]**

अथवा

आप नवीं कक्षा में पढ़ने वाले आशीष हो। आपने एक कविता लिखी है। इसके प्रकाशन हेतु दैनिक जागरण के संपादक को पत्र लिखिए।

16. आप मैरी/जैफ़ हैं। आपको विद्यालय के खेल के मैदान में कुछ पैसे मिले हैं। इससे संबंधित जानकारी विद्यालय के सूचनापट्ट पर लगाने के लिए एक सूचना लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

आपके विद्यालय में **हिन्दी दिवस** के अवसर पर हिन्दी सप्ताह आयोजित किया जा रहा है जिसमें हिन्दी भाषा से संबंधित विभिन्न गतिविधियाँ यथा - कवि गोष्ठी, नाट्य मंचन, वाद-विवाद आदि का आयोजन किया जाएगा। विद्यालय के सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष की ओर से इसकी जानकारी देते हुए लगभग 80 शब्दों में एक सूचना तैयार कीजिए।

17. शिक्षा का अधिकार के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में इस अधिकार का लाभ उठाने के लिए एक विज्ञापन का आलेख लिखिए। **[3]**

अथवा

मोबाइल रिपेयर नाम से सब प्रकार के मोबाइलों को ठीक करने का दावा करने वाली एक नहीं दुकान खुली है। इसके प्रचार के लिए एक विज्ञापन लिखिए।

18. **वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे** विषय पर एक लघुकथा लिखिए। **[5]**

अथवा

अपने क्षेत्र में एक नया डाकघर स्थापित करने की माँग करते हुए मुख्य डाक-अधिकारी webinformationmanager@indiapost.gov.in को एक ईमेल लिखिए।

Answers

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (अपठित गद्यांश)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
कोई कितना भी बड़ा अधिकारी, साहूकार या धनवान क्यों न हो, उसे स्वावलंबी बनना चाहिए। आप डॉक्टर या इंजीनियर बनना चाहते हैं, वकील या प्राध्यापक बनना चाहते हैं, व्यापारी या नेता बनना चाहते हैं-स्वावलंबन सबके लिए अनिवार्य है।
बड़ा बनने के मार्ग में अनेक बाधाएँ आती हैं। यदि उनके कारण हम निराश हो जाएँ, संघर्ष से जी चुराएँ या मेहनत से दूर रहें, तो भला हमें बड़प्पन कहाँ से मिलेगा? भारत के स्वर्गीय प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री का नाम आपने सुना होगा जिन्होंने सन् 1965 में भारत-पाकिस्तान युद्ध में देश का नेतृत्व किया था। देश को विजयी बनाया था और जनता को 'जय जवान, जय किसान' के प्रेरणावर्धक शब्द दिए थे। वे बड़े निर्धन परिवार से संबंधित थे। नदी पार स्कूल में जाने के लिए नौका वाले को पैसे भी नहीं दे सकते थे, किंतु उनमें आलस्य नहीं था। अतः प्रतिदिन तैरकर नदी पार करते थे। उन्होंने निराशा को कभी मन में नहीं आने दिया था। इसी मेहनत और स्वावलंबन का परिणाम था कि वे प्रधानमंत्री बने। जब वे प्रधानमंत्री थे, तब भी वे चपरासियों और अहलकारों पर आश्रित नहीं रहते थे। अपने यहाँ का कोई भी काम उन्हें छोटा नहीं लगता था। डॉक्टर बनकर यदि आप रोगी को आंशिक देखभाल करें, इंजीनियर बनकर दूसरों पर हुक्म चलाएँ, अथवा व्यापारी बनकर अपना हिसाब-किताब स्वयं न देखें, तो व्यवसाय तो डूबेगा ही, आपको भी डूबना होगा। दूसरों से कार्य लेते समय भी स्वयं सक्रिय रहना सफलता की प्रथम सीढ़ी है।

(i) **(क)** स्वावलंबी बन परिश्रम करना चाहिए
व्याख्या: स्वावलंबी बन परिश्रम करना चाहिए

(ii) **(घ)** स्वावलंबी बनकर परिश्रम करते रहने के कारण
व्याख्या: स्वावलंबी बनकर परिश्रम करते रहने के कारण

(iii) **(घ)** वे चपरासियों तथा अहलकारों पर निर्भर नहीं रहते थे
व्याख्या: वे चपरासियों तथा अहलकारों पर निर्भर नहीं रहते थे

(iv) **(ख)** दूसरों से कार्य कराते हुए स्वयं भी सक्रिय रहना
व्याख्या: दूसरों से कार्य कराते हुए स्वयं भी सक्रिय रहना

(v) **(क)** (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: (A) और (R) दोनों सत्य हैं तथा (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है।

2. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
चंपारण सत्याग्रह के बीच जो लोग गांधी जी के संपर्क में आए वे आगे चलकर देश के निर्माताओं में गिने गए। चंपारण में गांधी जी न सिर्फ सत्य और अहिंसा का सार्वजनिक हितों में प्रयोग कर रहे थे बल्कि हलुवा बनाने से लेकर सिल पर मसाला पीसने और चक्की चलाकर गेहूँ का आटा बनाने की कला भी उन बड़े वकीलों को सिखा रहे थे, जिन्हें गरीबों की अगुवाई की जिम्मेदारी सौंपी जानी थी। अपने इन आध्यात्मिक प्रयोगों के माध्यम से वे देश की गरीब जनता की सेवा करने और उनकी तकदीर बदलने के साथ देश को आजाद कराने के लिए समर्पित व्यक्तियों की एक ऐसी जमात

तैयार करना चाह रहे थे जो सत्याग्रह की भट्ठी में उसी तरह तपकर निखरे, जिस तरह भट्ठी में सोना तपकर निखरता और कीमती बनता है।

गांधी जी की मान्यता थी कि एक प्रतिष्ठित वकील और हज़ामत बनाने वाले हज़्ज़ाम में पेशे के लिहाज़ से कोई फ़र्क नहीं, दोनों की हैसियत एक ही हैं। उन्होंने पसीने की कमाई को सबसे अच्छी कमाई माना और शारीरिक श्रम को अहमियत देते हुए उसे उचित प्रतिष्ठा व सम्मान दिया था। कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं, इस मान्यता को उन्होंने प्राथमिकता दी ताकि साधन शुद्धता की बुनियाद पर एक ठीक समाज खड़ा हो सके। आज़ाद हिंदुस्तान आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और आत्म-सम्मानित देश के रूप में विश्व-बिरादरी के बीच अपनी एक खास पहचान बनाए और फिर उसे बरकरार भी रखे।

(i) **(ग)** कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं
व्याख्या: कोई काम बड़ा नहीं, कोई काम छोटा नहीं

(ii) **(ख)** मेहनत की कमाई को
व्याख्या: मेहनत की कमाई को

(iii) **(ख)** शारीरिक श्रम को
व्याख्या: शारीरिक श्रम को

(iv) **(क)** साधन शुद्धता की
व्याख्या: साधन शुद्धता की

(v) **(ख)** कथन i, ii व iv सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iv सही हैं

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'पदबंध ' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ख)** अनुशासन भंग करने वालों में से कुछ
व्याख्या: अनुशासन भंग करने वालों में से कुछ

(ii) **(ख)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध

(iii) **(क)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध

(iv) **(ग)** अव्यय पदबंध
व्याख्या: सुबह से शाम अव्यय है।

(v) **(ग)** संज्ञा पदबंध
व्याख्या: संज्ञा पदबंध

4. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** पुलिस ने चोर को देखा और उसे पकड़ लिया।
व्याख्या: पुलिस ने चोर को देखा और उसे पकड़ लिया।

(ii) **(घ)** उसने न केवल गरीब को लूटा बल्कि उसकी हत्या भी कर दी।
व्याख्या: उसने न केवल गरीब को लूटा बल्कि उसकी हत्या भी कर दी।
(iii) **(ख)** सरल वाक्य
व्याख्या: सरल वाक्य
(iv) **(क)** जैसे ही गाड़ी मिलेगी, वैसे ही मैं कोलकाता पहुँच जाऊँगी।
व्याख्या: जैसे ही गाड़ी मिलेगी, वैसे ही मैं कोलकाता पहुँच जाऊँगी।
(v) **(ग)** मैं जैसा चाह रहा था, वैसा ही सब कुछ होता जा रहा था।
व्याख्या: मैं जैसा चाह रहा था, वैसा ही सब कुछ होता जा रहा था।

5. निर्देशानुसार समास पर आधारित पाँच बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(ख)** त्रिलोकनाथ
व्याख्या: त्रिलोकनाथ
(ii) **(ग)** तत्पुरुष
व्याख्या: तत्पुरुष
(iii) **(ख)** कर्मधारय
व्याख्या: कर्मधारय
(iv) **(क)** द्विगु समास
व्याख्या: द्विगु समास
(v) **(ख)** अव्ययीभाव समास
व्याख्या: अव्ययीभाव समास

6. निर्देशानुसार मुहावरे पर आधारित छह बहुविकल्पीय प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-
(i) **(क)** चंगुल में फँसाना
व्याख्या: चंगुल में फँसाना
(ii) **(ग)** गले का हार होना
व्याख्या: गले का हार होना
(iii) **(ख)** हिम्मत टूटना
व्याख्या: हिम्मत टूटना
(iv) **(ग)** आसमान से जमीन पर आना
व्याख्या: आसमान से जमीन पर आना - भारत की जबरदस्त तैयारी देखकर चीन आसमान से जमीन पर आ गया।
(v) **(ग)** किताबी कीड़ा होना
व्याख्या: किताबी कीड़ा होना
(vi) **(ग)** तूती बोलना
व्याख्या: तूती बोलना

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (काव्य खंड)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

'मनुष्य मात्र बंधु है' यही बड़ा विवेक है,
पुराणपुरुष स्वयंभू पिता प्रसिद्ध एक है।
फलानुसार कर्म के अवश्य बाह्य भेद हैं,
परंतु अंतरैक्य में प्रमाणभूत वेद हैं।
अनर्थ है कि बंधु ही न बंधु की व्यथा हरे,
वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।।

(i) **(घ)** मनुष्य मात्र को परस्पर भाई-बंधु समझना
व्याख्या: मनुष्य मात्र को परस्पर भाई-बंधु समझना।

(ii) **(ख)** भाई का भाई से अलगाव
व्याख्या: भाई का भाई से अलगाव

(iii) **(क)** एक परमात्मा की संतान होने से
व्याख्या: एक परमात्मा की संतान होने से

(iv) **(ख)** कर्मों की भिन्नता के कारण
व्याख्या: कर्मों की भिन्नता के कारण

(v) **(क)** (ii), (iii)
व्याख्या: मनुष्य आपस में बंधु हैं। परमात्मा पुराण पुरुष है।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(क)** देश के मान-सम्मान की रक्षा करना
व्याख्या: सर हिमालय का न झुकने दिया से आशय है देश के मान-सम्मान की रक्षा करना।

(ii) **(ग)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं

खंड अ वस्तुपरक प्रश्न (गद्य खंड)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

मेरा जी पढ़ने में बिलकुल न लगता था। एक घंटा भी किताब लेकर बैठना पहाड़ था। मौका पाते ही होस्टल से निकलकर मैदान में आ जाता और कभी कंकरियाँ उछालता, कभी कागज़ की तितलियाँ उड़ाता और कहीं कोई साथी मिल गया, तो पूछना ही क्या। कभी चार-दीवारी पर चढ़कर नीचे कूद रहे हैं। कभी फाटक पर सवार, उसे आगे-पीछे चलाते हुए मोटरकार का। आनंद उठा रहे हैं, लेकिन कमरे में आते ही भाई साहब का वह रुद्र-रूप देखकर प्राण सूख जाते। उनका पहला सवाल यह होता-‘कहाँ थे’? हमेशा यही सवाल, इसी ध्वनि में हमेशा पूछा जाता था और इसका जवाब। मेरे पास केवल मौन था। न जाने मेरे मुँह से यह बात। क्यों न निकलती किं ज़रा बाहर खेल रहा था। मेरा मौन कह देता था कि मुझे अपना अपराध स्वीकार है और भाई साहब के लिए उसके सिवा और कोई इलाज न था कि स्नेह और रोष से मिले हुए शब्दों में मेरा सत्कार करें।

(i) **(क)** पहाड़ के समान
व्याख्या: पहाड़ के समान

(ii) **(क)** खेलने के लिए मैदान में
व्याख्या: खेलने के लिए मैदान में

(iii) **(ख)** कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।
व्याख्या: कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(iv) **(ख)** तुम कहाँ थे?
व्याख्या: तुम कहाँ थे?

(v) **(क)** कि उन्हें अपना अपराध स्वीकार है
व्याख्या: कि उन्हें अपना अपराध स्वीकार है

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देने के लिए उचित विकल्प का चयन कीजिए।

(i) **(क)** बचपन से
व्याख्या: बचपन से

(ii) **(ख)** समुद्र पर सूर्य की रंग-बिरंगी किरणों को
व्याख्या: विचारमग्न तताँरा समुद्र पर सूर्य की रंग-बिरंगी किरणों को निहार रहा था।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (पाठ्य पुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में प्रत्येक निर्णायक मोड़ पर महिलाओं ने पुरुषों के साथ संघर्ष को गति दी। स्वतंत्रता के प्रथम संग्राम के दौरान 1857 ई. में जहाँ झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई तथा लखनऊ की बेगम हज़रत महल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
प्रस्तुत पाठ के अंतर्गत जमना लाल बजाज की पुत्री मदालसा और उनकी पत्नी जानकीदेवी द्वारा छात्राओं को आंदोलन के लिए मार्गदर्शन करना तथा गुजराती सेविका संघ, मारवाड़ी विद्यालय की बालिकाओं का जुलूस निकालने एवं सार्वजनिक गिरफ्तारी देने का उल्लेख हुआ है। इसके अलावा महिलाओं का स्वतंत्र जुलूस निकालना ,धर्मतल्ले के मोडपर धरना देना, पुलिस के लाठीचार्ज के बाद भी वहां से न हटना आदि के वर्णन से हमें स्त्रियों के योगदान का पता चलता है। लेखक ने यह भी स्पष्ट तौर पर बताया है कि कलकत्ता के इस आंदोलन में 105 स्त्रियों ने अपनी गिरफ़्तारी दी, जो बड़ी संख्या थी। इन सब बातों से स्पष्ट होता है कि स्वतंत्रता संग्राम में महिलाओं की भूमिका किसी भी तरह से पुरुषों से कम नहीं थी |

(ii) वज़ीर अली के चरित्र की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं-

i. **स्वाभिमानी-** वज़ीर अली अत्यंत स्वाभिमानी है। जब उसे अवध के नबाव के पद से हटा दिया गया तो कंपनी के गवर्नर ने उसे कलकत्ता बुलाया लेकिन वह वहाँ नहीं गया। वह कंपनी के वकील की बातें सुनकर चुप नहीं रहता और उसका कत्ल कर देता है।
ii. **साहसी और हिम्मती-** उसमें अपार हिम्मत थी। उसे मालूम था कि कंपनी सरकार उसकी जान के पीछे पड़ी है लेकिन उसका अफ़गानिस्तान व नेपाल से सहायता फिर से अवध की नवावी प्राप्त करने का प्रयास सचमुच उसके हिम्मती होने को प्रमाणित करता है।
iii. **जाँबाज़-** वज़ीर अली जाँबाज़ सिपाही था। वह मौत से नहीं डरता। वह खतरों से खेलता है वह कंपनी के वकील का कत्ल कर देता है। अंग्रेज़ी खेमे में अकेले जाकर कर्नल से कारतूस लेने में सफलता प्राप्त करना उसके जाँबाज़ होने की निशानी है।
iv. **नीतिकुशल-** वज़ीर अली नीति कुशल था। वह अंग्रेज़ों की फ़ौज को चकमा देने में कामयाब रहता है। वह अफ़गानिस्तान के बादशाह शाहे-ज़मा को हिन्दुस्तान पर हमला करने की दावत

देता है। वह किसी तरह नेपाल पहुँचना चाहता है। वह अफ़गानी हमले तक अपनी ताकत बढ़ाना चाहता है।

v. **देशभक्त-** वज़ीर अली देशभक्त है। वह हिंदुस्तान से अग्रेज़ों को भगाने के प्रयास में जुट जाता है | उसे अंग्रेजो की गुलामी स्वीकार नहीं थी।

vi. **निडर**- वज़ीर अली निडरता से अंग्रेजी शासन के नियमों के प्रति विद्रोह भाव प्रकट करता है। वह चंद सिपाहियों के साथ भी जंगलों में अपनी रणनीति तैयार करता है।

vii. **कर्तव्यनिष्ठ**- देश के प्रति अपने कर्तव्य को निभाने में वह कोई कसर नहीं छोड़ता है। वह चाहता तो अपने चाचाजान शहादत अली की तरह ऐशो-आराम की जिंदगी जी सकता था।।

viii. **वाक्पटु**- कर्नल से कारतूस लेने के समय उसके बातचीत का तरीका तथा बाद में सपाट शब्दों में अपनाा परिचय दे देना, उसकी वाक्पटुता के गुण को भली-भाँति दर्शाते हैं।

(iii) उपरोक्त कथन पूर्णतः सत्य है क्योंकि हमें उसी में जीना चाहिए जो वर्तमान है। केवल सत्य ही शाश्वत है। वर्तमान स्वयं ही सत्य है। यदि हम भूतकाल के लिए पछताते रहेंगे या भविष्य की योजनाएँ ही बनाते रहेंगे, तो वर्तमान को भी सही प्रकार से नहीं जी सकेंगे।भूतकाल के सुख-दुःख में उलझे रहना हमें तनावग्रस्त बनता है और भविष्य के रंगीन सपनों में खोए रहना हमें अकर्मण्य बनाता है। जो बीत गया, वह सत्य कैसे हो सकता है और अभी तक आया ही नहीं उस पर कैसे विश्वास किया जा सकता है। अतः श्रेष्ठ यही है कि हम भूतकाल से शिक्षा लेकर भविष्य की योजनाओं, को वर्तमान में ही कार्यान्वित करें न कि भूत और भविष्य के सपनों में खो जाएँ।

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) कविता में कवि शरारती बच्चों और पक्षियों का वर्णन करके उनके माध्यम से निम्नलिखित बातें बताना चाहता है-

i. बच्चे कंपनी बाग के द्वार पर रखे तोप पर घुड़सवारी करके ये साबित करना चाहते हैं कि जो तोप अपने जमाने में ताकतवर और विनाशकारी थी , वो आज बच्चो के खेलने की वस्तु मात्र है ।

ii. चिड़ियों के माध्यम से कवि बताना चाहते हैं कि उन्हें भी इस तोप से अब भय नहीं है , वो उनके गपशप और खेलने का स्थान है ।

iii. बच्चों और चिड़ियों दोनों का तात्पर्य है कि एकजुट होकर हम बड़े - से - बड़े ताकतवर और क्रूर शासन का ना केवल सामना कर सकते हैं , बल्कि उन्हें पराजित भी कर सकते हैं ।

iv. जनसामान्य ने इस बात को भी सिद्ध कर दिया है कि उसे हथियारों के बल पर लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता।

v. इस कविता से हमें ये भी सीख मिलती है कि समय सबका बदलता है , वो एक समान नहीं रहता ।

(ii) 'आत्मत्राण' कविता में दुख के प्रति एक अलग दृष्टिकोण प्रकट हुआ है। इस कविता में दुख से पलायन करने की प्रवृत्ति त्यागकर उसे सहर्ष स्वीकारने तथा उस पर विजय पाने की प्रेरणा दी गई है। कविता में दुख और सुख दोनों को समान भाव से अपनाने का संदेश है। सुख के समय में भी प्रभु के प्रति मन में संदेह न पैदा होने देने तथा हर स्थिति में आस्था एवं विश्वास बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया है, जिससे हमारी आस्थावादिता बढ़ती है। इस तरह सुख में प्रभु को धन्यवाद देने तथा दुख को आत्मबल से जीतने का भाव समाहित करने वाली यह कविता हमें दुख

से संघर्ष करने का मार्ग दिखलाती है।इन्हीं सब बिम्बों के माध्यम से यह कविता हमें दुख से परास्त होने के बजाय दुख से संघर्ष करने का मार्ग दिखाती है।

(iii) प्रस्तुत कविता 'पर्वत प्रदेश में पावस' प्रकृति के सुकुमार कवि सुमित्रानंदन पंत द्वारा रचित है। इस कविता में कवि ने पर्वतीय प्रदेश में वर्षाकाल में क्षण-क्षण होने वाले परिवर्तनों व अलौकिक दृश्यों का बड़ा सजीव चित्रण किया है। कवि कहता है कि महाकार पर्वत मानो अपने ही विशाल रूप को अपने चरणों में स्थित बड़े-बड़े तालाबों में अपने हजारों सुमनरूपी नेत्रों से निहार रहे हैं। बहते हुए झरने दर्शकों की नस-नस में उमंग व उल्लास भर रहे हैं। पर्वतों के सीनों को फाड़कर उच्चाकांक्षाओं से युक्त ऊँचे-ऊँचे वृक्ष मानो बाहर आए हैं और अपलक व शान्त भाव से आकाश को निहार रहे हैं। फिर अचानक ही पर्वत मानो बादल रूपी यान के परों को फड़फड़ाते हुए उड़ गए हैं। कभी-कभी तो ऐसा भी मालूम होता है कि मानो धरती पर आकाश टूट पड़ा हो और उसके भय से विशाल शाल के पेड़ जमीन में धँस गए हों। तालों से उठती भाप ऐसी जान पड़ती है मानो उनमें आग लग गई हो और धुआँ उठ रहा हो। कवि कहता है कि यह सब देखकर लगता है कि जैसे इन्द्र ही अपने इन्द्रजाल से खेल रहा है।

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए:

(i) ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रद्धा के भाव हैं। वे अपने धर्म के प्रति अधिक निष्ठावान हैं। वे ठाकुरजी का आशीर्वाद लेकर ही हर शुभ कार्य को आरंभ करना चाहते हैं। किसी भी नए कार्य को आरंभ करने से पूर्व वे ठाकुरजी की मनौती मनाते हैं और कार्य पूरा होने पर ठाकुरबारी को दान देते हैं। इस प्रकार ठाकुरबारी के प्रति उनकी अटूट श्रद्धा होने का कारण उनकी धार्मिक एवं अंधविश्वासी मनोवृत्ति है। हरिहर काका को भी ठाकुरबारी पर अपार श्रद्धा थी, परंतु उनकी ज़मीन-जायदाद के लिए जब ठाकुरबारी के महंत द्वारा उनका अपहरण किया गया तब हरिहर काका का ठाकुरबारी के प्रति श्रद्धा भाव व भक्ति भाव समाप्त हो गया।
ठाकुरबारी के प्रति गाँव वालों के मन में अपार श्रदधा है। इस श्रदधा का कारण उनका धर्म के प्रति प्रगाढ़ रुझान है। हर शुभ काम में वे ठाकुर जी का योगदान मानते हैं । कोई भी काम करने से पहले वे ठाकुर जी की मनौती मानते हैं। काम पूरा होने पर वे ठाकुरबारी को दान देते हैं। ठाकुरबारी के प्रति उनकी अटूट श्रदधा का कारण उनकी धार्मिक मनोवृत्ति है ।

(ii) लेखक को हेडमास्टर शर्मा जी के सहारे अपनी पढ़ाई जारी रखनी पड़ी क्योंकि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। हेडमास्टर साहब हर वर्ष किसी बच्चे से किताबें लेकर लेखक को दे दिया करते थे। अगर उनका सहारा ना मिला होता तो लेखक अपनी पढ़ाई नहीं कर पाते। गरीब बच्चों को पढ़ने में विद्यालय विभिन्न तरीकों से उनकी मदद कर सकते हैं। वैसे वर्तमान में सरकारी स्कूलों में 6 से 14 वर्ष तक के बच्चों के लिए मुफ़्त शिक्षा और किताबें आदि देने का प्रावधान है। इसके अतिरिक्त विद्यालयों को अभिभावकों को बच्चों की शिक्षा के प्रति जागरूक करना चाहिए और उन्हे पढ़ाई के महत्व और फायदे समझाकर पढ़ने के लिए तैयार करना चाहिए। गरीब बच्चों को पढ़ने के लिए अन्य सुविधाएँ जैसे छात्रवृति आदि भी मिलनी चाहिए। यदि सभी विद्यालय ऐसे सार्थक प्रयास करें तो गरीब बच्चे अवश्य पढ़ सकेंगे।

(iii) टोपी के घर वालों ने जब टोपी के व्यवहार में इफ़्फ़न का प्रभाव देखा तो उन्होंने उसे इफ़्फ़न के घर जाने से मना कर दिया था परंतु टोपी का लगाव इफ़्फ़न की दादी से था वह जब भी इफ़्फ़न के घर जाता तो उसकी दादी के पास ही बैठने की कोशिश करता था। इफ़्फ़न की बाजी और अम्मी

उसकी बोली पर हँसतीं तो दादी ही बीच-बचाव करते हुए टोपी की भाषा में उन्हें डाँटती थी। वह बड़े स्नेह और आत्मीयता से उससे बात करती थी। टोपी और इफ़्फ़न की दादी अलग-अलग जाति और मजहब के थे मगर दोनों अटूट रिश्ते से बँधे थे। प्रेम ऐसा भाव है जिसमें जाति-पाति, धर्म, ऊँच-नीच, बड़े-छोटे के सभी बंधनों को भूल जाता है। जब दिल से दिल मिलता है तो जाति और धर्म बेमानी हो जाते हैं। दादी ने टोपी के दिल को पहचाना और टोपी ने दादी के प्यार को माना। इस प्रकार दोनों में एक पाक-साफ रिश्ता बना। इफ़्फ़न की दादी के आँचल में टोपी अपना अकेलापन भूल जाता था। दादी को भी टोपी के साथ अपनेपन का अहसास होता था।

खंड - ब वर्णनात्मक प्रश्न (लेखन)

14. किसी राष्ट्र की प्रगति के लिए जनसंख्या एक महत्वपूर्ण संसाधन होती है, पर जब यह एक सीमा से अधिक हो जाती है तब यह समस्या का रूप ले लेती है। जनसंख्या वृद्धि एक ओर स्वयं समस्या है तो दूसरी ओर यह अनेक समस्याओं की जननी भी है। यह परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति पर बुरा असर डालती है। जनसंख्या वृद्धि के साथ देश के विकास की स्थिति &ढाक के तीन पात वाली बनकर रह जाती है। प्रकृति ने लोगों के लिए भूमि, वन आदि जो संसाधन प्रदान किए है, जनाधिक्य के कारण वे कम पड़ने लगते है तब मनुष्य प्राकृतिक असंतुलन का खतरा पैदा होता है जिससे नाना प्रकार की समस्याएँ उत्पन्न होती है। भारत को बढ़ती आबादी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। दुनिया की करीब 17% आबादी भारत में रहती है जिससे यह दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देशों में से एक है। जनसंख्या वृद्धि के लिए हम भारतीय की सोच काफी हद तक जिम्मेदार है। यहाँ की पुरूष प्रधान सोच के कारण घर में पुत्र जन्म आवश्यक माना जाता है। भले ही एक पुत्र की चाहत में छह, सात लडकियाँ क्यों न पैदा हो जाएँ पर पुत्र के बिना न तो लोग अपना जन्म सार्थक मानते हैं और न ही उन्हें स्वर्ग की प्राप्ति होती दिखती है। इसके अलावा अशिक्षा, गरीबी और मनोरंजन के साधनों का अभाव भी जनसंख्या वृद्धि में योगदान देता है। जनसंख्या वृद्धि रोकने के लिए लोगों का इसके दुष्परिणामों से अवगत कराकर जन जागरूकता फैलाई जानी चाहिए। और सरकार द्वारा परिवार नियोजन के साधनों का मुफ्त वितरण किया जाना चाहिए तथा जनसंख्या वृद्धि को पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए।

अथवा

गाँधीजी ने कहा था- 'भारत का हृदय गाँवों में बसता है। गाँवों में ही सेवा और परिश्रम के अवतार किसान बसते हैं। ये किसान ही नगरवासियों के अन्नदाता हैं, सृष्टि-पालक हैं।' निरक्षरता भारतीय कृषक की पतनावस्था का मूल कारण है। शिक्षा के अभाव के कारण वह अनेक कुरीतियों से घिरा है। अंधविश्वास और रूढ़ियाँ उसके जीवन के अभिन्न अंग बन गए हैं। आज भी वह शोषण का शिकार है। वह धरती की छाती को फाड़कर, हल चलाकर अन्न उपजाता है किन्तु उसके परिश्रम का फल व्यापारी लूट ले जाता है। उसकी मेहनत दूसरों को सुख-समृद्धि प्रदान करती है। भारत में कृषि और किसानों की हालत दिनों-दिन बदतर होती जा रही है, जिसके कारण अनेक किसान आत्महत्या तक करने पर मजबूर हो जाते हैं। भारत का किसान बड़ा ही परिश्रमी है। वह गर्मी-सर्दी तथा वर्षा की परवाह किए बिना अपने कार्य में जुटा रहता है। जेठ की दुपहरी, वर्षा ऋतु की उमड़ती-घुमड़ती काली मेघ-मालाएँ तथा शीत ऋतु की हाड़ कँपा देने वाली वायु उसे कर्त्तव्य से रोक नहीं पाती। भारतीय किसान का जीवन कड़ा तथा कष्टपूर्ण है। दिन-रात कठिन परिश्रम करने के बाद वह जीवन की आवश्यकताएँ नहीं जुटा पाता, न उसे पेट-भर भोजन मिलता है और न शरीर

ढँकने के लिए पर्याप्त वस्त्र। अभाव और विवशता के बीच ही वह जन्मता है तथा इसी दशा में मृत्यु को प्राप्त हो जाता है। भारत में बहुत से ऐसे लघु उद्योग हैं जो किसान आसानी से अपने घर से कर सकते हैं। इसके लिए सरकार को जागरूक होना चाहिए। कभी खराब बीजों की वजह से तथा फसलों की कम कीमत और खराब मौसम की दोहरी मार से किसानों की बुरी दुर्दशा हो जाती है। किसानों की दुर्दशा को ध्यान में रखते हुए सरकार को किसानों का कर्ज माफ कर देना चाहिए तथा किसानों के लिए सरकार को लघु उद्योग लगाने की व्यवस्था करनी चाहिए।

अथवा

जीवन संघर्ष का दूसरा नाम है

जीवन "संघर्ष" का दूसरा नाम है।
संन्यास संघर्ष से भागने का नाम है।
जिंदा मनुष्य बनकर जीना चाहते हो तो
संघर्षों में जीना सीखना ही होगा।

जन्म से मृत्यु तक की यह कालावधि जीवन कहलाती है। संघर्ष जीवन में चीज़ों को प्राप्त करने के लिए प्रतिकार है। यह हमें उत्साह और साहस प्रदान करता है। जीवन संघर्ष, व्यक्ति के जीवन में आने वाली चुनौतियों और परिस्थितियों का सामना करने का प्रकार है। इसमें यथार्थता, संघर्षी भावना, समर्थन, और जीवन के मौलिक मूल्यों के प्रति समर्पण शामिल होता है। यह असफलता से सीखने और पुनः प्रयास करने को प्रेरित करता है, साथ ही सफलता की खुशियों को भी स्वीकारता है। जीवन संघर्ष व्यक्ति को सामर्थ्यवान बनाता है और उसे उन्नति और समृद्धि के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करता है। इससे व्यक्ति का अनुभव, समझदारी, और धैर्य का विकास होता है, जिससे उसे जीवन की हर मुश्किलात से निपटने की क्षमता मिलती है। जीवन संघर्ष हमें अपनी हढ़ता और निर्णायक योजनाओं से परिचित कराता है जिससे हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं और सामाजिक समृद्धि और संतुष्टि के साथ जीवन का आनंद उठा सकते हैं।

15. प्रति,
उपायुक्त,
गुरुग्राम
विषय- विद्यार्थियों के हित शहर के सिनेमाघरों में प्रातःकालीन शो बंद करने हेतु।
महोदय,
मैं आपका ध्यान इस नगर के सिनेमाघरों में चलने वाले प्रातःकालीन शो की ओर दिलाना चाहता हूँ। जो सुबह नौ बजे प्रारंभ हो जाता है। इस शो में फ़िल्म देखने वाले दर्शकों में लगभग 80 प्रतिशत स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थी होते हैं। वे अपनी कक्षाएँ छोड़कर फ़िल्म देखने जाते हैं। फ़िल्म देखकर स्कूल अथवा कॉलेज के बंद होने के समय वे अपने-अपने घर व गाँव चले जाते हैं। इस प्रकार उनके माता-पिता को उनके द्वारा कक्षाओं से अनुपस्थित रहकर फ़िल्म देखने की बुरी लत का पता भी नहीं चलता। विद्यालयों के प्राचार्यों द्वारा उनके विरुद्ध की गई अनुशासनात्मक कार्यवाही भी विशेष प्रभावकाल नहीं हो पाई।
विद्यार्थियों की यह अवस्था अपरिपक्व होती है। वे अपने हित-अहित को नहीं सोच पाते। इस प्रकार वे अपने भविष्य को अन्धकार की ओर ले जा रहे है।अतः आपसे निवेदन है कि आप यहाँ सिनेमाघरों में होने वाले प्रातःकालीन शो पर प्रतिबंध लगाने का कष्ट करें।
भवदीय,

हस्ताक्षर . . . .
(मोहित महेश्वरी)
अध्यापक
हिंदी विभाग,
कृत सीनियर सेकेंडरी स्कूल,
गुरुग्राम

अथवा

संपादक महोदय,
दैनिक जागरण,
एफ ब्लाक, सेक्टर-62,
नोएडा, उत्तर प्रदेश।
दिनांकः 01 मार्च, 2019

विषय-स्वरचित कविता छपवाने के संबंध में

मान्यवर,
निवेदन यह है कि आपके लोकप्रिय समाचार पत्र के रविवारीय परिशिष्ट में स्वरचित कविता प्रकाशनार्थ भेज रहा हूँ। इस कविता में प्रातःकालीन सौंदर्य और प्रातःकाल उठकर उपवन में घूमने-फिरने की प्रेरणा निहित है। प्रातः माता-पिता बच्चों के देर तक सोते रहने की शिकायत करते हैं। छुट्टियों के दिन तो वे ऐसा अवश्य करते हैं। मुझे विश्वास है कि यह कविता पढ़कर बच्चों को प्रातःकालीन सौंदर्य देखने की इच्छा उत्पन्न होगी और उनमें सवेरे जल्दी बिस्तर छोड़ने की आदत विकसित होगी।
मेरी यह रचना पूर्णतया मौलिक तथा पूर्व में कहीं भी प्रकाशित नहीं हुई है। इससे पहले मेरी दो रचनाएँ चंदामामा में प्रकाशित हो चुकी हैं। आशा है कि आप रचना को प्रकाशित कर मेरा उत्साहवर्धन करेंगे।
सधन्यवाद।
भवदीय,
आशीष,
17/पी, कैलाशपुरी,
दिल्ली।

16.

सूचना
राजकीय माध्यमिक विद्यालय
पैसे मिलने की सूचना

दिनांकः 2/XX/XXXX
विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि मध्यावकाश के समय विद्यालय के खेल के मैदान में कुछ पैसे गिरे हुए मिले हैं। जिस किसी भी विद्यार्थी के पैसे गिरे हैं वह जल्द-से-जल्द खेल सचिव के कमरे में आकर मिले और अपने पैसे ले ले।
जैफ
खेल सचिव

अथवा

हिन्दी दिवस
गोविन्द पब्लिक स्कूल, पटना
सूचना

15/09/2023
प्रिय विद्यालय के सभी छात्रों और शिक्षकों के लिए
हम सभी को सूचित करना चाहते हैं कि हमारे विद्यालय में हिन्दी दिवस के अवसर पर हिन्दी सप्ताह का आयोजन होने वाला है। इस सप्ताह में हम विभिन्न गतिविधियों का आयोजन करेंगे जैसे कवि गोष्ठी, नाट्य मंचन, वाद-विवाद आदि, जिसमें हम हमारी हिन्दी भाषा को महत्व देने का प्रयास करेंगे।
आप सभी से आग्रह है कि आप इस सप्ताह में भाग लें और हमारी भाषा, संस्कृति और विरासत के प्रति अपनी भावनाओं को साझा करें।
विद्यालय के सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष,
अंकित शर्मा

सुनहरा अवसर

'शिक्षा का अधिकार' के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं जिसमें ग्रामीणों को विभिन्न कक्षाओं में विभिन्न प्रकार का ज्ञान प्रदान किया जाएगा व पुस्तकें तथा अन्य पाठ्य सामग्री वितरित की जाएगी व प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जाएंगे।
आज्ञा से
शिक्षा अधिकारी पालम नगर
सम्पर्क करे - ग्राम पंचायत
17. दिनांक - 7/06/2022

अथवा

गणपति मोबाइल रिपेयर सेंटर
खुशखबरी खुल
गई दुकान

प्रशिक्षित कुशल कारीगरों द्वारा गुणवत्तायुक्त

कार्य की गारंटी

हर प्रकार के मोबाइल रिपेयरिंग का कार्य

उचित मूल्य पर किया जाता है।
(घर बैठे मोबाइल रिपेयर की सुविधा उपलब्ध)
पता-खुड़बड़ा मोहल्ला, हनुमान चौक के निकट, रुड़की संपर्क-012345...

18. एक बार मैं और मेरा दोस्त राजेश समुद्र के पास बैठे थे। यद्यपि राजेश मुझसे उम्र में काफी बड़ा था परन्तु हम दोनों में गहरी मित्रता थी। हर रविवार को छुट्टी के दिन हम समुद्र तट पर जाते और कुछ देर तैरते। राजेश ठीक-ठाक तैर लेता था जबकि मैं गहरे पानी में तैरना अभी नहीं सीख पाया था।

तभी हमने एक लड़का जिसकी उम्र लगभग नौ वर्ष थी, को बार-बार पानी के पास जाते और फिर डरकर वापस आते देखा। उसे देख हमें हँसी आ गयी। फिर हम वहाँ से उठकर भेलपूरी लेने चले गये। लौटकर आये तो देखा एक आदमी किनारे खड़ा 'बचाओ-बचाओ' चिल्ला रहा था। समुद्र की तरफ देखने पर पता चला कि यह वही बालक है जिसे हमने थोड़ी देर पहले समुद्र के पास खेलते देखा था। मुझे गहरे पानी में तैरने का अनुभव न था लेकिन तभी राजेश ने अपनी कमीज उतार कर पानी में छलांग लगा दी। तब तक काफी भीड़ भी इकट्ठी हो गयी। हमने फोन कर एंबुलेंस भी मँगवा ली, लेकिन राजेश और वह लड़का कहीं दिखाई नहीं दे रहा थे। अनिष्टा की शंका से मेरा दिल जोर से धड़कने लगा तभी हमने उन्हें किनारे की तरफ आते देखा। वह बच्चा सही सलामत था, लेकिन राजेश किनारे तक पहुँचते-पहुँचते बेहोश हो गया। तुरन्त हम उसे अस्पताल ले गये। कुछ देर बाद राजेश को होश आ गया। राजेश को होश में देख मेरी जान में जान आ गयी। तब तक राजेश व मेरे माता-पिता भी वहाँ पहुँच गये थे। सारी बात जानकर सबने राजेश की प्रशंसा की कि उसने अपनी जान जोखिम में डालकर उस बच्चे की मदद की।
सच ही कहा है-"वही मनुष्य है कि जो मनुष्य के लिए मरे।"
सीख- वास्तव में वही मनुष्य है जो दूसरों की संकट में सहायता करे अतः हमें भी परोपकार को अपने जीवन का लक्ष्य बनाना चाहिए।

अथवा

From: pawan@mycbseguide.com
To: webinformationmanager@indiapost.gov.in
CC ...
BCC ...
विषय - क्षेत्र में नया डाकघर खोलने के संबंध में
महोदय,
निवेदन है कि मैं नोएडा के सेक्टर 35 का निवासी हूँ। सेक्टर 20 से सेक्टर 65 तक बहुत आबादी बस चुकी है। यहाँ की जनसंख्या पिछले पाँच वर्षों की तुलना में तीन गुनी हो चुकी है, किंतु इस क्षेत्र के लिए समुचित डाकघर की व्यवस्था नहीं है।
अतः मेरा आपसे करबद्ध निवेदन है कि क्षेत्र की आवश्यकता और लोगों की परेशानी को देखते हुए इस क्षेत्र में शीघ्र ही एक डाकघर खुलवाने की कृपा करें, जिससे यहाँ के नागरिकों को परेशानियों से छुटकारा मिल सके।
पवन